

कृष्णराम द्वारा





(1) ~~त्रिवेदी विद्या का अध्ययन~~

(2) ~~हृषीकेश विद्या का अध्ययन~~

(1-A) ~~परमिति विद्या का अध्ययन~~

(1-B) ~~वसुदेव विद्या का अध्ययन~~

(1-C) ~~शंखदास विद्या का अध्ययन~~

(1-D) ~~रामानुज विद्या का अध्ययन~~

(1-E) ~~कृष्ण विद्या का अध्ययन~~

(1-F) ~~गुरु विद्या का अध्ययन~~

(1-G) ~~ब्रह्म विद्या का अध्ययन~~

(1-H) ~~वर्षीय विद्या का अध्ययन~~



Final Revision Committee

(3)

८८

५०

रुक्षिति विरहमानमेलनम्
 हृष्णमानो ग्रीवा
 अतीर्थमानमानमेलनमेलनम्
 अस्मिन्द्वितीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 अस्मीयाचारमध्येत्तद्विप्रस्त्री
 (3A) यात्तद्विप्रस्त्री विप्रस्त्री विप्रस्त्री
 कर्त्तव्यान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 उपर्युक्तमेलनमेलनमेलनम्
 उपर्युक्तमेलनमेलनमेलनम्
 उपर्युक्तमेलनमेलनमेलनम्
 (3B) उपर्युक्तमेलनमेलनमेलनम्
 कर्त्तव्यान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 (3C) द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 (3D) द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य
 द्वितीयान्वयित्वा अस्मीयाच्छ्रुतिं भृगुस्य

(5)

उक्तमार्गानेकोटीत्यना
सद्भाव अद्भुततयामना
ज्ञानिके गतिशीलताकेमध्य
तद्वयीयोक्ताज्ञानाद्यमध्य
कृत्यवाच्यता ज्ञानपाता मिथ्या
सत्याप्ति करीन्द्रियं नहीं देता
ज्ञानाद्यवाच्यता



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Udaipur and the Yashwantrao Chavan Atishayan Mandal."

(१३८)

वसन्तावधारी श्री लक्ष्मी देवी

जगद्गीषु भारतास्य अभिज्ञा.

पांडुरंगवीक्षी चौराणी देवी
 ग्रांडुरंगदीनी उम्मी उम्मी चान्दु
 उपादीमन्दिरावृष्टि व घासाहु
 कुकुरा चाच्छ्री उपादीमन्दिराहु
 लक्ष्मी उपादीमन्दिराहु
 नीच्छ्री उपादीमन्दिराहु
 उपादीमन्दिराहु

See Rajawade Sayandhan Mandal, Dhule and the Yantra of Yawantrao Chavade, Belthana, dated 1890 A.D.

देवी चोये गैरिल देहु देवी
उठी जीला देवी नाम देवी तो प्राप्ता
पाणी क आपूर्वार्थ न देवी देवी
सहनि जग्ना गा देवी नी हम
देवी जग्ना नी बदल देवी तो प्राप्ता
देवी रात्रि केंद्र मां पाठ्य र राज
देवी दागो देवी देवी देवी
पुष्टा नी जग्ना वकरा देवी । १०५
दानीं उर्यु देवी देवी तो प्राप्ता
मनि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

(66)

(7) — (8)



मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

जिन्होंने चावा प्राप्ति की
यह राजादेव चावा प्राप्ति की
यह राजादेव चावा प्राप्ति की

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

मायालुलम्बिलम्बिल

(8)

काशी विजयनगर
विजयनगर देश
१२३८ वर्षामध्ये
लोकांतरात्रि
विजयनगर
मुहूर्तात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि
लोकांतरात्रि



२०१५

संस्कृत एवं वेदान्त

(9)

श्रीगंगांधोर्म

(9)

नमस्त्रीयारभिमतासमन्या

षष्ठीसूर्यरातास्त्वानि च इति

पांडुलिङ्गरामीक्षीक्षाद्यांगम

स्तुतिप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

स्तुतिप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

स्तुतिप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

स्तुतिप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

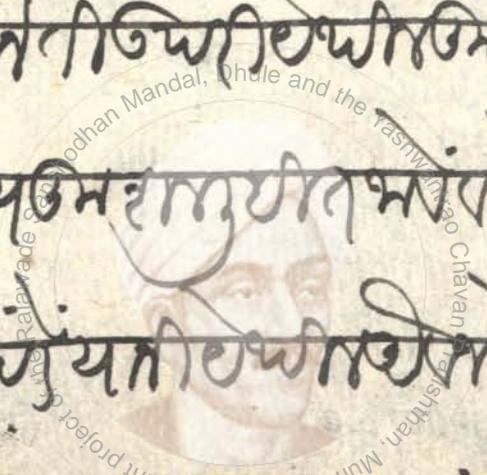
वस्त्रीप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

देविप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

प्रियेष्वामिराम्बुद्ध

नामार्पणप्रियेष्वामिराम्बुद्ध

ज्ञानामिश्रप्रियेष्वामिराम्बुद्ध



(10)

२८

१८६

~~ग्रन्थालय विद्यालय संस्कृत मंडल
द्खुले चौक द्खुले~~

~~ज्ञानविद्या एवं विज्ञान विद्यालय संस्कृत मंडल~~

~~द्खुले चौक द्खुले~~

~~पोषण विद्यालय एवं अटक प्रसारी जिल्हा~~

~~चिंमात्रा उमिया अस्सी खानीय उमरांडुर्या~~

~~द्खुले चौक द्खुले~~

(10A)

*of the Sanskrit
Sodhan Mandal, Dhule and the Yashoda
Prasarak Mandal, Mumbai.*

~~जांचन द्खुले चौक द्खुले~~

~~जांचन द्खुले चौक द्खुले~~

~~जांचन द्खुले चौक द्खुले~~

~~जांचन द्खुले चौक द्खुले~~

(10B)

~~द्खुले चौक द्खुले~~

(10C)

(11)

८५-

१०

करत्तमियापरमार्थ-काम
क्रियानुसारसाकुलस्वरूपं

पोषणात्तद्वाहनाद्वयात्तेजादण्डं

कालपुत्रोद्गमोद्योगात्तिष्ठत्य

(11A) कमदीनाशनोभव्यज्ञेत्रात्ति

कृत्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

दश्मुक्त्रात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

(11B) दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

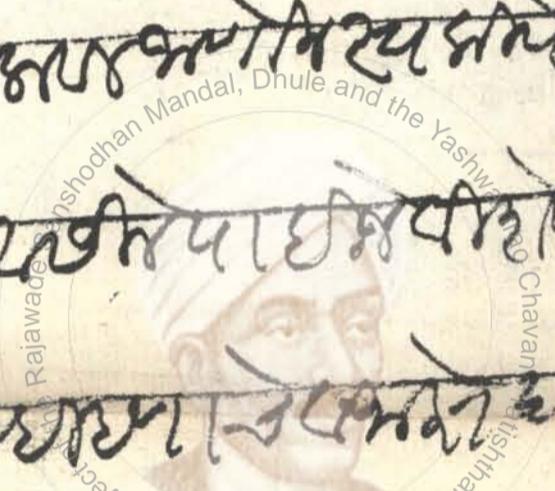
दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति

(11C) दृष्ट्यात्तिष्ठेपाद्यात्तिष्ठेपाद्यात्ति



(12)

प्राचीन ग्रन्थों का संग्रह

संस्कृत वेदान्त ग्रन्थों का संग्रह

वेदान्त ग्रन्थों का संग्रह

वेदान्त ग्रन्थों का संग्रह

१२





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com